पोषण पाठशाला का आयोजन दिनांक 26.05.2022 (समय 12:00 बजे से 02:00 बजे अपरान्ह् तक) की प्रेस विज्ञप्ति
स्थान– एन0आई0सी0, वी0सी0 कक्ष, योजना भवन, लखनऊ।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्री कपिल सिंह, निदेशक, राज्य पोषण मिशन द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अवगत कराया गया कि जन–मानस के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारम्भ किये गए पोषण अभियान का मुख्य फोकस जन–भागीदारी व जन–आन्दोलन है। पोषण के सन्देशों को घर–घर तक पहुँचाने की परिकल्पना को साकार करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के 08 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर विभाग द्वारा जन–मानस एवं लाभार्थियों को विभाग की सेवाओं, पोषण प्रबन्धन, कुपोषण से बचाव के उपाय, पोषण शिक्षा आदि के सम्बन्ध में प्रमुख सचिव महोदया की अध्यक्षता में **''पोषण पाठशाला''** का मासिक आयोजन किये जाने का निर्णय लिया गया, जिसका प्रथम आयोजन आज दिनॉक 26.05.2022 को किया जा रहा है।

डा0 सारिका मोहन, निदेशक, बाल विकास सेवा एवु पुष्टाहार विभाग द्वारा पोषण पाठशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया गया कि विभाग द्वारा दिनांक 10 मई से 30 जून 2022 के मध्य **"NO WATER ONLY BREAST FEEDING COMPAIGN" (पानी नहीं केवल स्तनपान अभियान)** चालाया जा रहा है, इसलिए दिनॉक 26.05.2022 को आयोजित प्रथम पोषण पाठशाला कार्यक्रम का मुख्य थीम **''शीघ्र स्तनपान–केवल स्तनपान''** निर्धारित की गयी। शीघ्र स्तनपान–केवल स्तनपान की आवश्यकता, महत्व, उपयोगिता आदि विषय के प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त व दक्ष वक्ताओं द्वारा पोषण पाठशाला में चर्चा किए जाने पर प्रकाश डाला गया। लाभार्थियों को बेहतर से बेहतर जानकारी प्रदान करना, भ्रान्तियों को दूर करना तथा स्वास्थ्य व पोषण के प्रति जागरूक करना इसका मुख्य उददेश्य रहा।

श्रीमती अनीता सी0 मेश्राम, प्रमुख सचिव, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उल्लेख किया गया कि प्रदेश सरकार कुपोषण को मिटाने के लिए प्रतिबद्व है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता कार्यक्रमों के अनुरूप आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के क्षमतावर्द्वन एवं तकनीक के उपयोग से उनकी कार्य कुशलता को बढ़ाने तथा विभागीय कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन हेतु उन्हें विगत वर्षों में स्मार्टफोन तथा ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस उपलब्ध कराया गया है, जिसके सहयोग से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा नियमित रूप से बच्चों का वजन व लम्बाई की माप ली जा रही है तथा उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी कर पोषण स्तर में सुधार लाया जा रहा है। विभाग द्वारा कुपोषण मिटाने में विगत वर्षों में जो उत्कृष्ट कार्य किए गए हैं, उसी का परिणाम है कि भारत सरकार द्वारा कराए गए राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण एन0एफ0एच0एस0–05 में एन0एफ0एच0एस0 –04 की अपेक्षा उत्तर प्रदेश के आंकड़ों में अपेक्षित सुधार हुआ है तथा राष्ट्रीय स्तर के कई मानकों में उत्तर प्रदेश के आंकड़े राष्ट्रीय औसत से बेहतर हैं। विभाग के लाभार्थियों व आम जन–मानस को स्वास्थ्य शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु पोषण पाठशाला का प्रत्येक माह आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक माह पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा से सम्बन्धित किसी एक विषय पर विभाग के फील्ड स्तर के कार्मिकों एवं लाभार्थियों के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा। जैसा कि सर्वविदित है कि मॉ का दूध अमृत समान है तथा बच्चों के लिए गर्भावस्था से लेकर प्रथम 1000 दिन स्वर्णिम काल होता है, जिसमें यदि उसके पालन–पोषण आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए और जन्म के तुरन्त बाद अनिवार्यतः स्तनपान कराने के साथ–साथ 06 माह तक केवल स्तनपान कराया जाए तो वह बच्चा स्वस्थ व सुपोषित होगा। एक स्वस्थ बच्चा स्वस्थ समाज व स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करता है।

विषय विशेषज्ञों के रूप में डा0 रेनू श्रीवास्तव, डा0 मोहम्मद सलमान खान व डा0 मनीष कुमार सिंह द्वारा शीघ्र स्तनपान–केवल स्तनपान विषय पर विस्तार से चर्चा की गयी तथा जन्म के एक घण्टे के अन्दर मॉ का दूध अनिवार्यतः पिलाने तथा छः माह तक केवल मॉ का दूध (पानी, शहद, घुट्टी आदि कुछ भी नहीं पिलाना है) पिलाने की महत्ता, आवश्यकता तथा उसके लाभ के साथ–साथ समाज में फैली भ्रान्तियों के सम्बन्ध में लाभार्थियों को परामर्श दिया गया। साथ ही साथ जनपद लखनऊ, श्रावस्ती, बहराइच, मुरादाबाद, आगरा आदि से 14 लाभार्थियों (गर्भवर्ती एवं धात्री महिला) द्वारा प्रश्न पूछे गए प्रश्न का विस्तारपूर्वक उत्तर दिया गया। वेबकास्ट के द्वारा प्रदेश के 189000 से अधिक आंगनबाड़ी केन्द्रों पर इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे पच्चीस लाख से अधिक पंजीकृत गर्भवती/धात्री महिलाएं व उनके अभिभावकों द्वारा देखा व सुना गया।

एन0आई0सी0 के माध्यम से सम्पन्न इस कार्यक्रम को श्रीमती अनीता सी0 मेश्राम, प्रमुख सचिव, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें डा0 सारिका मोहन, निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ0प्र0, डा0 विभा चहल, अपर निदेशक (प्रशासन), श्री कपिल सिंह, निदेशक, राज्य पोषण मिशन, श्री सेराज अहमद, संयुक्त परियोजना समन्वयक के साथ–साथ यू0पी0–टी0एस0यू0, यूनिसेफ, वर्ल्ड बैंक व एलाइव एण्ड थ्राइव के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनपद के जिला कार्यक्रम अधिकारी, मुख्य सेविकाएं, बाल विकास परियोजना अधिकारी व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।